

सरपट पुं. (तद्.) 1. घोड़े की तेज चाल, घोड़े का सरपट भागना 2. बहुत तेज दौड़ते हुए, चलते हुए।

सरपत पुं. (तद्.) सरकंडा, मेखला बनाने में उपयोगी कुश की जाति की एक घास, सेंटा, इसे कहीं रामसर भी कहा जाता है संस्कृत में भद्रभुंज या शर भी कहते हैं।

सरपना अ.क्रि. (तद्.) आगे बढ़ना, इधर उधर खिसकना, सरकना।

सर-पर स्त्री. (अनु.) 1 सिरपिटाने की क्रिया 2. शील, संकोच 3. असमंजस या दुविधा की स्थिति 4. भय, डर, घबराहट।

सरपरदा पुं. (तत्.) संगीत में बिलावल ठाठ का एक राग।

सरपरस्त वि. (फा.) 1. पोषक, संरक्षक, पालन पोषण और देखरेख करने वाला अभिभावक 2. पक्ष लेने वाला, हिमायती।

सरपरस्ती स्त्री. (फा.) पालन पोषण, देखरेख, अभिभावकता, पक्षपात, तरफदारी।

सरपी पुं. (देश.) सर्पी, घृत, घी।

सरपेच पुं. (फा.) 1. पगड़ी में बांधने का एक आभूषण, कलगीनुमा 2. एक प्रकार का गोटा जो दो ढाई अंगुल चौड़ा होता है।

सरपोश पुं. (फा.) 1. ढक्कन, आवरण, शिरस्त्राण 2. थाल, तश्तरी ढकने का कपड़ा।

सरफराज वि. (फा.) 1. सरफ्राज, ऊंचे पद पर पहुंचा हुआ 2. जो बड़ा कार्य करने से धन्य हुआ हो 3. सम्मानित, जिसका सम्मान बढ़ाया गया हो।

सरफराना अ.क्रि. (अनु.) व्याकुल होना, घबराना।

सरफरोश वि. (फा.) जान की बाजी लगा देने वाला, कुर्बानी देने वाला।

सरफरोशी स्त्री. (फा.) सिर कटाना, बलिदान होना। कुर्बानी देना।

सरफा/सर्फा पुं. (फा.) 1. व्यय, खर्च 2. मितव्ययता, कम खर्ची।

सरफोका पुं. (देश.) सरकंडा, एक प्रकार की घास।

सरबंधी पुं. (देश.) 1. तीरदांज, धुनधुर 2. निशानेबाज।

सरबज वि. (फा.) 1. लहलाता हुआ, हरा भरा 2. वनस्पतियों या हरियाली से युक्त जैसे- सर-सब्ज मैदान, हरा भरा मैदान।

सरबर स्त्री. (तद्.) 1. समानता, बराबरी 2. व्यर्थ की बकवाद, बढ़ा-चढ़ा कर की जाने वाली बात।

सरबराह पुं. (फा.) 1. मैनेजर, प्रबंधक, व्यवस्थापक 2. मजदूरों आदि का सरदार 3. रास्ते के खान-पान और ठहरने आदि का प्रबंध करने वाला।

सरबराही स्त्री. (फा.) प्रबंधन, व्यवस्था।

सरबुलंद वि. (फा.) जिसका सिर ऊंचा हो, प्रतिष्ठित, सम्मानीय व्यक्ति।

सरबोर वि. (फा.) शराबोर, निमग्न।

सरभंग पुं. (तद्.) अधोर पंथ का एक नाम।

सरमद वि. (अर.) 1. सदा बना रहने वाला 2. मस्त, मत्त।

सरमा स्त्री. (तत्.) 1. कुतिया 2. देवताओं की एक कुतिया 3. दक्ष प्रजापति की एक कन्या 4. कश्यप की पत्नी।

सरमाई वि. (फा.) जाड़े का, शीतकालीन, शीतकाल।

सरमाया पुं. (फा.) 1. मूलधन, पूंजी 2. धन दौलत संपत्ति।

सरया पुं. (देश.) सारो, लाल रंग के चावल की एक किस्म।

सरयू स्त्री. (तत्.) उत्तर भारत की एक प्रसिद्ध नदी जिसके किनारे अयोध्या नगरी बसी है।

सरयूपारी वि. (तद्.) सरयू नदी के उस पार का।